माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

वर्ष-2019

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
भूगोल	1 2 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगावें

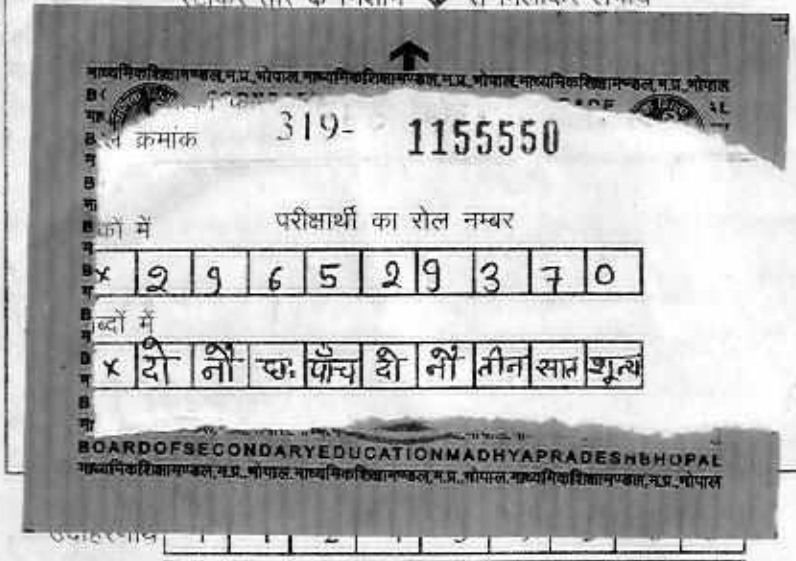

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल

क्रमांक 319- 1155550

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

x	2	9	6	5	2	9	3	7	0

शब्दों में

x	दो	नौ	छः	पाँच	दो	नौं	तीन	सात	शून्य

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 18

ग :- परीक्षा का दिनांक 28 03 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

परीक्षा

केन्द्र क्र.

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

Principal AS 4381

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

Patidar

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में

2

योग पृष्ठ | पृष्ठ के अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 01 के उत्तर

अ) ii) अमेरिका ।

ब) iii) चीन ।

स) iv) असम ।

द) i) 1975 ।

इ) ii) अहमदाबाद ।

प्रश्न क्र. 02 के उत्तर

i) हुगली औद्योगिक क्षेत्र ।

ii) एकता ।

iii) ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग ।

iv) मैंगनीज ।

वायु-परिवहन ।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 03 के उत्तर

i) गाँधी फार्म।

ii) अरुणाचल प्रदेश।

iii) हजीरा - विजयपुर - जगदीशपुर गैस पाइप लाइन।

iv) मलिन बस्ती :- अत्यंत निर्धन लोग निजी भू से घने बसे ऐसे आवासीय क्षेत्र हैं, जिसमें अस्वच्छ घर होते हैं। इसमें समाज के कमजोर वर्ग निवास करते हैं जिनमें सामाजिक विघटन की प्रवृत्तियाँ पाई जाती हैं।

v) ग्रामीण बस्ती।

प्रश्न क्र. 04 के उत्तर

अ) पर्यटन नगर - iv) नैनीताल

ब) काली मिट्टी - v) कपास

स) कृषि गृह - i) संयुक्त राज्य अमेरिका

द) ज्वारीय बंदरगाह - ii) कांडला

इ) बहरापन - iii) ध्वनि प्रदूषण

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 05 का अथवा का उत्तर

मानव भूगोल के भूगोलवेत्ताओं के नाम –

1) फ्रेडरिक रैटजेल ।
2) कुमारी ई. सी. सेम्पुल ।
3) विडाल डी ला ब्लाश ।
4) ब्रूश ।

प्रश्न क्र. 06 का अथवा का उत्तर

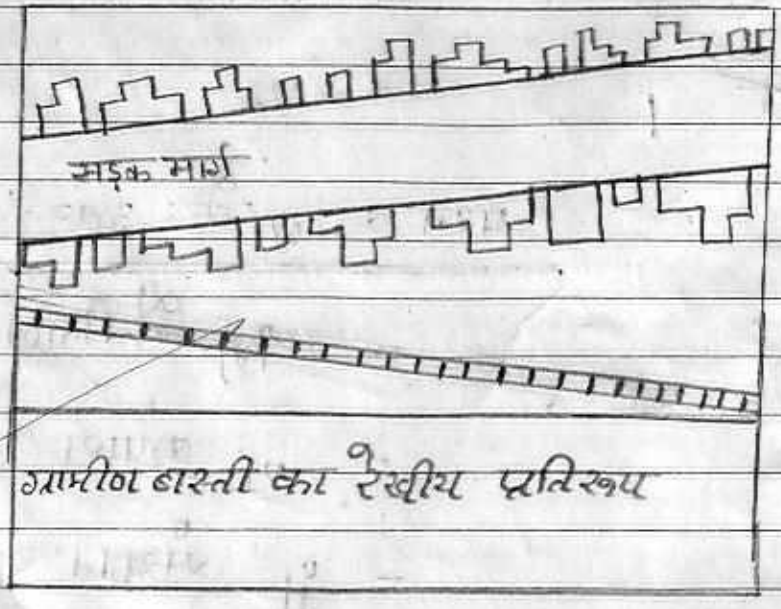

ग्रामीण बस्ती का रेखीय प्रतिरूप

प्रश्न क्र. 07 का उत्तर

जल-प्रदूषण के कारण — जल-प्रदूषण के कारण निम्नलिखित हैं :—

1) उद्योगों का अपशिष्ट नदियों में प्रवाहित कर देने से जल प्रदूषित हो जाता है।

2) शहरों का मल, घरेलू अपशिष्ट आदि नदियों में प्रवाहित करने से जल प्रदूषित हो जाता है।

प्रश्न क्र. 08 का उत्तर

जल संसाधन की तीन समस्याएँ :— जल संसाधन की समस्याएँ निम्नलिखित हैं :—

1) जल की कमी :— जल-संसाधन की प्रमुख समस्या जल की पूर्ति पर्याप्त मात्रा में न होना है। भारत में 100 से.मी. औसतन वार्षिक वर्षा होती है। जिससे प्राप्त होने वाला जल विभिन्न उद्योगों व घरेलू कार्यों के लिए अपर्याप्त है।

2) वर्षा का असमान वितरण :— भारत में वर्षा का असमान वितरण है। एक ओर जहाँ असम, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश में पर्याप्त वर्षा होती है वहीं दूसरी ओर मरुस्थलीय भागों जैसे - राजस्थान में बहुत कम मात्रा में वर्षा होती है जिसके कारण जल का वितरण सभी स्थान पर समान नहीं रहता।

6 योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ = कुल अंक

प्रश्न क्र.

3) जल-प्रदूषण :— भारत में अधिकतर उद्योगों द्वारा औद्योगिक अपशिष्ट नदियों में प्रवाहित कर दिया जाता है साथ ही शहरी क्षेत्रों का अपशिष्ट भी नदियों में प्रवाहित कर देने से जल-प्रदूषित हो रहा है। भारत में गंगा का जल भी इसी कारण से प्रदूषित हो रहा है।

प्रश्न क्र. 09 का उत्तर

B एक अच्छे बंदरगाह की विशेषता :- एक अच्छे बंदरगाह की विशेषता निम्नलिखित है :—

S

E 1) एक अच्छे बंदरगाह पर जहाजों को कोयला, खनिज तेल लेने की पर्याप्त सुविधा होनी चाहिए।

2) एक अच्छे बंदरगाह की पृष्ठभूमि घनी व आबाद होनी चाहिए ताकि जहाजों को पर्याप्त माल व यात्री मिल सकें। ~~साथी~~ साथ ही बंदरगाह भीतरी आवागमन के साधनों से युक्त होना चाहिए।

3) एक अच्छे बंदरगाह की तटीय जलवायु उत्तम होनी चाहिए, शीत ऋतु में तट जमता न हो। साथ ही बंदरगाह लहरों व तूफानों से मुक्त होना चाहिए।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 10 का उत्तर (अथवा)

रेल-परिवहन के महत्व - रेल-परिवहन का महत्व इस प्रकार है :—

1) कम-खर्चीला :— रेल-परिवहन लंबी दूरियों के लिए उपयुक्त होता है। साथ ही यह एक कम-खर्चीला साधन है, इसका उपयोग यात्री प्रायः लंबी दूरियों को तय करने में करते हैं।

2) भारी माल की ढुलाई :— रेल-परिवहन भारी माल की ढुलाई के लिए उपयुक्त साधन है। रेल-परिवहन का उपयोग कोयला, पेट्रोलियम आदि खनिज-पदार्थों की ढुलाई के लिए विशेष रूप से किया जाता है।

3) अकाल व बाढ़ दुर्घटना में सहायता पहुँचाने में सहायक :— रेल-परिवहन का के द्वारा उपयोग अकाल, बाढ़, भूकम्प जैसी प्राकृतिक विपदाओं के समय विभिन्न व्यक्तियों को खाद्य-सामग्री व अन्य आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराने में किया जाता है, इस दृष्टि से रेल-परिवहन का बहुत अधिक महत्व है।

प्राप्तांक + अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 11 का अथवा का उत्तर

ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में अंतर - ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में अंतर इस प्रकार है :-

ग्रामीण जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या
1) ग्रामीण जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। देश की कुल ग्रामीण जनसंख्या की 68.84 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण जनसंख्या है।	1) नगरीय जनसंख्या नगरों में निवास करती है। देश की कुल जनसंख्या की 31.16 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय जनसंख्या है।
2) ग्रामीण जनसंख्या के घर प्राय: स्थानीय कच्चे माल जैसे- लकड़ी, घास-फूस आदि के बने होते हैं।	2) नगरीय जनसंख्या के घर ईंट, सीमेंट आदि के बने होते हैं।
3) ग्रामीण जनसंख्या मुख्यत: प्राथमिक व्यवसाय में संलग्न रहती है।	3) नगरीय जनसंख्या द्वितीयक, तृतीयक व चतुर्थक व्यवसायों में संलग्न रहती है।
4) ग्रामीण जनसंख्या प्रदूषण रहित वातावरण में निवास करती है।	4) नगरीय जनसंख्या प्रदूषण युक्त वातावरण में निवास करती है।

क्र.

प्रश्न क्र. 12 का अथवा का उत्तर

कुटीर उद्योग एवं वृहत उद्योग में अंतर – कुटीर उद्योग एवं वृहत उद्योग में अंतर इस प्रकार है :–

कुटीर उद्योग	वृहत उद्योग
1) कुटीर उद्योग वे उद्योग है जिसमें वस्तु का उत्पादन स्वयं या परिवार के सदस्यों की सहायता से कर लिया जाता है।	1) वे उद्योग जिनमें पूंजी निवेश 10 करोड़ या उससे अधिक होता है, वृहत उद्योग कहलाते हैं। इसमें बड़ी संख्या में श्रमिकों द्वारा वस्तु का उत्पादन किया जाता है।
2) कुटीर उद्योग के अंतर्गत बीड़ी बनाना, मिट्टी के बर्तन बना, चटाई बनाना आदि सम्मिलित है।	2) वृहत उद्योग में लौह-इस्पात उद्योग, सूती वस्त्र उद्योग आदि बड़े पैमाने के उद्योग सम्मिलित हैं।
3) कुटीर उद्योग में कच्चा माल स्थानीय प्राप्त हो जाता है।	3) वृहत उद्योगों में कच्चा माल दूरस्थ क्षेत्रों या विदेशों से आयात किया जाता है।
4) इसमें पूंजी निवेश बहुत कम या लगभग शून्य होता है।	4) इसमें बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश किया जाता है।

(10) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ ... अंक | कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 13 का उत्तर

ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग को साइबेरिया की जीवन-रेखा कहा जाता है, इसके प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:-

1) ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग के विकसित होने के कारण ही साइबेरिया का संबंध यूरोपीय देशों से हुआ है।

B
2) S
E

इस रेलमार्ग के द्वारा ही साइबेरिया से समूर, लुग्दी, लकड़ी, चमड़ा, मक्खन व दूध पाउडर आदि का निर्यात यूरोपीय देशों को किया जाता है।

3) इस रेलमार्ग की सहायता से ईर्कुत्स्क से उत्तम कोटि का कोयला व लोहा यूरोपीय देशों के औद्योगिक केन्द्रों को निर्यात किया जाता है।

इस रेलमार्ग के विकसित होने के परिणामस्वरूप ही प्रसिद्ध औद्योगिक केन्द्र नोवोसिबिर्स्क, खबारोस्क, कुजनेस्क आदि का विकास हुआ है। इस रेलमार्ग ने साइबेरिया की राष्ट्रीय सुरक्षा में भी वृद्धि की है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 14 का उत्तर

भारत में जनसंख्या वृद्धि के कारण – भारत में जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं :—

1) मृत्यु-दर में कमी :— भारत में निरंतर बढ़ती स्वास्थ्य सुविधाएं, रोग प्रतिरोधकों टीकों, उचित चिकित्सा का प्रबंध आदि ने जीवन-प्रत्याशा में वृद्धि कर दी है जिसके कारण मृत्यु-दर में भारी कमी आई है और जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हुई है।

2) बाल-विवाह :— भारत में जनसंख्या को तीव्र गति से बढ़ने में बाल विवाह जैसी कुरीति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, अनेक ग्रामीण व पिछड़े लोग महिलाओं का कम आयु में ही विवाह कर देते हैं जिसके कारण जनसंख्या में वृद्धि हो जाती है।

3) अशिक्षा :— भारत में जनसंख्या वृद्धि के लिए अशिक्षा भी प्रमुख रूप से उत्तरदायी कारक है निरक्षर लोग जनसंख्या वृद्धि से होने वाली हानि को नहीं समझ पाते हैं जिसके कारण वे अनेक बच्चे पैदा करते हैं।

4) सामाजिक पिछड़ापन :— भारत में अभी भी अनेक क्षेत्रों में बालिका जन्म की अपेक्षा बालक जन्म को श्रेष्ठ समझा जाता है जिसके कारण लोग बालक की चाह में अधिक बच्चे पैदा करते हैं जो जनसंख्या में वृद्धि होने का कारक है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 15 का उत्तर

मुंबई में सूती वस्त्र उद्योग विकसित होने के कारण - मुंबई में सूती वस्त्र उद्योग के विकसित होने के कारण निम्नलिखित हैं :—

1) कच्चा माल :— मुम्बई के पास अहमदाबाद, महाराष्ट्र आदि राज्यों में कपास का भारी उत्पादन होता है जिससे इस उद्योग को कपास के रूप में पर्याप्त कच्चा माल उपलब्ध हो जाता है। साथ ही मुम्बई समुद्र तट पर स्थित होने से संयुक्त अरब गणराज्य व संयुक्त राज्य अमेरिका से भी कच्चे माल का आयात करता है।

B
S
E

2) जल-विद्युत की प्राप्ति :— मुम्बई में सूती वस्त्र उद्योग को निकट स्थित जल विद्युत संयत्र से सस्ती व पर्याप्त मात्रा में जल-विद्युत शक्ति प्राप्त हो जाती है जिसके कारण इस उद्योग का विकास सम्भव हो पाया है।

3) वित्तीय सहायता :— मुम्बई के बड़े-बड़े पूँजीपतियों व उद्योगपतियों ने इस उद्योग में बड़ी मात्रा में पूंजी का निवेश किया है जिसके कारण पर्याप्त वित्तीय सहायता मिलने से सूती वस्त्र उद्योग का विकास यहाँ संभव हो पाया है।

न क्र.

4) परिवहन की सुविधा :- मुम्बई नगर एक विकसित बंदरगाह है जिसमें बड़ी संख्या में विदेशी जहाज आते हैं जिससे यहाँ निर्मित माल को विदेशों में निर्यात करना संभव हो पाता है साथ ही यह देश के भितरी रेलमार्गों व सड़कों से भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

उपरोक्त सभी कारण मुम्बई में सूती वस्त्र उद्योग के विकास में सहायक हैं।

प्रश्न क्र. 16 का अथवा का उत्तर

जापान में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के कारण - जापान में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के कारण निम्नलिखित हैं:-

1) शक्ति के साधन :- जापान असमतल पहाड़ी क्षेत्र पर स्थित है जिस कारण तीव्रगामी नदियों से पर्याप्त मात्रा में जल-विद्युत उत्पन्न कर ली जाती है जिससे सूती वस्त्र उद्योग को पर्याप्त मात्रा में विद्युत-शक्ति प्राप्त हो जाती है।

2) कच्चा माल :- जापान में सूती वस्त्र उद्योग के लिए कच्चा माल (कपास) का आयात संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत आदि देशों से करता है यहाँ से इसे पर्याप्त मात्रा में

प्रश्न क्र.

कच्चे माल की आपूर्ति हो जाती है।

3) सस्ते व कुशल श्रमिक :— जापान में सस्ते, कुशल व प्रशिक्षित श्रमिकों का आधिक्य है इस कारण सूती वस्त्र उद्योग को पर्याप्त मात्रा में श्रमिकों की आपूर्ति हो जाती है।

4) परिवहन की सुविधा :— जापान में सूती वस्त्र उद्योग के में उत्पादित माल के निर्यात हेतु पर्याप्त मात्रा में परिवहन की सुविधा उपलब्ध है। यहाँ के निवासी कुशल नाविक हैं तथा प्राकृतिक बंदरगाहों का लाभ भी इस देश को प्राप्त हुआ है।

5) जल की पर्याप्त आपूर्ति :— जापान में सूती वस्त्र उद्योग हेतु यहाँ की सतत्वाहिनी नदियों से पर्याप्त जलापूर्ति हो जाती है जो इस उद्योग के विकास में प्रमुख रूप से सहायक है।

उपरोक्त सभी कारण जापान में सूती वस्त्र उद्योग के विकास में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

BSE

Roll. no. – 296529870

प्रश्न क्र. 17 का अथवा का उत्तर

World Map

15

	+		=	
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 15 के अंक		कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 17 का अथवा का उत्तर

1) ट्रांस इण्डियन रेलमार्ग

2) पनामा नहर

3) श्रीलंका

4) कोलकाता

5) लंदन से केपटाउन जलमार्ग

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 18 का अथवा का उत्तर

भारतीय कृषि की समस्याएँ – भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याएँ निम्नलिखित हैं :–

1) **वर्षा की अनिश्चितता** :– भारत में वर्षा प्राय: अनियमित व अनिश्चित है। भारत में वर्षा "मानसून" द्वारा होती है अतः मानसून द्वारा वर्षा कम या अधिक होने पर कृषि को हानि पहुँचती है। सामान्य वर्षा होने पर कृषि को लाभ मिलता है। इसलिए भारतीय कृषि को 'मानसून का जुआ' कहा जाता है।

2) **उन्नत बीजों व उर्वरकों की कमी** :– भारत में अत्यंत निर्धन लोगों के पास उन्नत बीज व उर्वरकों को खरीदने हेतु पर्याप्त मात्रा में पूंजी उपलब्ध नहीं होती है।

3) **प्रति हेक्टेयर कम उत्पादन** :– भारत में कुल भूमि के लगभग 57 प्रतिशत भाग पर कृषि होती है इसके बावजूद भी कृषि में प्रति हेक्टेयर कम उत्पादन होता है, जो कि इसकी प्रमुख समस्या है।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

क्र.

4) कृषि भूमि पर जनसंख्या का अधिक दबाव :- देश की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है जिनके जीविकोपार्जन का प्रमुख साधन कृषि है। देश की लगभग 70% जनसंख्या कृषि कार्य में लगी हुई है इतनी बड़ी संख्या में लोगों का कृषि में लगे रहना इसपर दबाव को बढ़ाता है।

5) उर्वरता ह्रास की समस्या :- भारत में प्रतिवर्ष मूसलाधार वर्षा होने से इसकी उर्वरता का निरंतर ह्रास हो रहा है। साथ ही अनेक लोग कृषि में परम्परागत साधनों का ही प्रमुख रूप से उपयोग कर रहे हैं जिसके कारण भी इसके उत्पादन में वृद्धि नहीं हो पा रही है।

उपरोक्त सभी समस्याएँ भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याएँ हैं जिनके समाधान द्वारा ही कृषि उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है।